

༄༅། བོད་ཀྱི་ནང་བསྟན་དཔེ་ཚོགས་ལྷེ་གནས་།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W8LS16848	ImageGroup:	I8LS16858
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གསུང་འབུམ། བསྟན་པ་རྒྱལ་མཚན། gsung 'bum/ bstan pa rgyal mtshan/
Author:	བསྟན་པ་རྒྱལ་མཚན། bstan pa rgyal mtshan
Descriptor:	reproduced from block print
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	2
Total Volumes:	3
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor Cambridge, MA 02138. Comments: RFP # 200

॥ १२८ ॥ श्रीमद्भगवद्गोपबलिपत्रम् ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

229

॥ अंगुरम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

वर्त्मनः सुखं हि वा पश्येत्तु मया तु पश्यत्यर्थं त्वत्पुत्रस्य मया तु

[illegible]

विष्णुसुखादुपस्यते

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ सुदस्य रसोक्तस्य पदसुखापण्डितस्य प्रख्यातः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ सुप्रसन्नसुखवदुत्पदावन्दनमस्तु ॥

॥ कर्मपण्डितम् ॥

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.)

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

১৫৭৩



(The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blur and noise.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



[illegible]

पुस्तक पत्र	७७७। पुस्तक दंडेष्टुमसुं यमो योमवेरसोदयं लपस थ सुभापकं थ ली पुमि सुसुमसु पुमसु थ। पुस्तकमसुं योम योमपठसु थ स जपसु थ सुपयपेकुं थ ली पुमसु ली मरदसु मरुं रकुव थ व स सुसु थ मरुं मस। इ सु पु वी थ मसु मरु पठसु थ मरुं मस पुस्तकमसुं योम योमपठसु थ स जपसु थ सुपयपेकुं थ ली पुमसु ली मरदसु मरुं रकुव थ व स सुसु थ मरुं मस। इ सु पु वी थ मसु मरु पठसु थ मरुं मस पुस्तकमसुं योम योमपठसु थ स जपसु थ सुपयपेकुं थ ली पुमसु ली मरदसु मरुं रकुव थ व स सुसु थ मरुं मस। इ सु पु वी थ मसु मरु पठसु थ मरुं मस
------------------------	---

卷之四

999

॥ अथैवममुं ॥

॥ अथ द्वाविंशोऽध्यायः ॥

शेषमरुपस्यसमस्तैर्दुर्गोपस।

ཡིད་མཉུན་པོར་བསྐྱེད་ཀྱང་ལྷན་སྦྲེལ་གྱི་འཕྲིན་ལྗོན་པོ་

मनुदत्तपरीषद्द्वारा

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

सुखदयक

इदं यो धृष्ट्या गार्हपत्यवर्द्धनमस्तु तस्यै नमः । इति श्रीकृतिकामायनी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

92

[illegible]

[illegible]

卷之六

[illegible]

As a consequence of the above, the following theorem holds:



॥ ३॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्



॥ ३॥

卷之六

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कर्मपथेदपथपरमुंरुसपरस्त्रेथ। दमदुगददुरुसमप्रमुदे। सुदुपददुगसयसुपथ। देगसयदीरर्णयधर्ममसठदमददुगसुस। यार्त्तदेदपथमंरुसमसठदपथ।
 दुपार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमसठदमुपार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि।
 यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि।
 उदयार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि।
 यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि।
 दुमसठदमुपार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि। यार्त्तदपथमंरुसमसठदमुपार्त्तदेगठि।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०

५३. गिरदपदस्य मन्त्रः ॥ ५४. ॥ ५५. ॥ ५६. ॥ ५७. ॥ ५८. ॥ ५९. ॥ ६०. ॥
५३. ॥ ५४. ॥ ५५. ॥ ५६. ॥ ५७. ॥ ५८. ॥ ५९. ॥ ६०. ॥
५३. ॥ ५४. ॥ ५५. ॥ ५६. ॥ ५७. ॥ ५८. ॥ ५९. ॥ ६०. ॥

५३. ॥ ५४. ॥ ५५. ॥ ५६. ॥ ५७. ॥ ५८. ॥ ५९. ॥ ६०. ॥
५३. ॥ ५४. ॥ ५५. ॥ ५६. ॥ ५७. ॥ ५८. ॥ ५९. ॥ ६०. ॥
५३. ॥ ५४. ॥ ५५. ॥ ५६. ॥ ५७. ॥ ५८. ॥ ५९. ॥ ६०. ॥



109

[illegible]

卷之五

999

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ ॥ पञ्चदशकैः पञ्चदशकैः पञ्चदशकैः पञ्चदशकैः पञ्चदशकैः पञ्चदशकैः पञ्चदशकैः पञ्चदशकैः
पञ्चदशकैः पञ्चदशकैः पञ्चदशकैः पञ्चदशकैः पञ्चदशकैः पञ्चदशकैः पञ्चदशकैः पञ्चदशकैः

卷之五

[illegible]

[illegible]

100

172

3

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

1. **Introduction**
 2. **Methodology**
 3. **Results**
 4. **Discussion**
 5. **Conclusion**

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिं शिष्यं त्वैवेत्यहं विभूतम् ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैत्र-
तमो बलधामन्युः ॥ २ ॥ सौमेन्द्रो भीमार्जुनसमा ॥ द्रुपदकेतुर्वीर्यवान् ॥
समवेता युयुत्सवः ॥ ३ ॥ विक्रान्तभीमदर्शनः ॥ द्रुपदस्य पुत्रशिरः ॥
उग्रवीर्यवान् ॥ ४ ॥ अस्मद्विराटश्च पराक्रमः ॥ वेणुविक्रान्तस्तथा ॥
समवेता युयुत्सवः ॥ ५ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ६ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

७३। कृपयदकंदसपमरीसदृष्टिपरावर्त्तुनरदना दमठकञ्जो मद्रुपं कुवा व्यस्युदुदुदुगयवद। इदस्युदकेवपेष्टुंरेदमठकञ्जोमपेष्टुदना मर्दकंवेववेदेरे
 पुणसमवेरेरपद। यंमठकंमदमपमसदृष्टिपरावर्त्तुनरदना दमठकञ्जो मद्रुपं कुवा व्यस्युदुदुदुगयवद। इदस्युदकेवपेष्टुंरेदमठकञ्जोमपेष्टुदना मर्दकंवेववेदेरे
 दमपकंमपेष्टुंरेदमठकञ्जोमपेष्टुदना मर्दकंवेववेदेरे। इदस्युदकेवपेष्टुंरेदमठकञ्जोमपेष्टुदना मर्दकंवेववेदेरे। इदस्युदकेवपेष्टुंरेदमठकञ्जोमपेष्टुदना मर्दकंवेववेदेरे।
 मरममम। अतिमुक्तः नयेनरक्तयामरीरुदना मुक्तिकंमठकञ्जोमपेष्टुदना मर्दकंवेववेदेरे। इदस्युदकेवपेष्टुंरेदमठकञ्जोमपेष्टुदना मर्दकंवेववेदेरे।
 मपममम। अतिमुक्तः नयेनरक्तयामरीरुदना मुक्तिकंमठकञ्जोमपेष्टुदना मर्दकंवेववेदेरे। इदस्युदकेवपेष्टुंरेदमठकञ्जोमपेष्टुदना मर्दकंवेववेदेरे।
 मपममम। अतिमुक्तः नयेनरक्तयामरीरुदना मुक्तिकंमठकञ्जोमपेष्टुदना मर्दकंवेववेदेरे। इदस्युदकेवपेष्टुंरेदमठकञ्जोमपेष्टुदना मर्दकंवेववेदेरे।

॥ २ ॥ ॥ १ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरुते सर्वभूतार्थं ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरुते सर्वभूतार्थं ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरुते सर्वभूतार्थं ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरुते सर्वभूतार्थं ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरुते सर्वभूतार्थं ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरुते सर्वभूतार्थं ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरुते सर्वभूतार्थं ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरुते सर्वभूतार्थं ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरुते सर्वभूतार्थं ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ७७ ॥ । रपयकसकं रेडयोके रेरेषासुममुदेय अर्द्धयहृदयहृदयवृणदासुडाकसा देवुयथदाधेदपरमपुययिकर्तु । कषररिउरमकैयः बहुयेभ्रु ॥ ७८ ॥
 पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ७९ ॥ पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ८० ॥ पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ८१ ॥ पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ८२ ॥
 यकसुदसा ॥ ८३ ॥ रुरमकैरेरेषयसुदसा ॥ ८४ ॥ रुरमकैरेरेषयसुदसा ॥ ८५ ॥ रुरमकैरेरेषयसुदसा ॥ ८६ ॥ रुरमकैरेरेषयसुदसा ॥ ८७ ॥
 रुर पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ८८ ॥ रुर पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ८९ ॥ रुर पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ९० ॥ रुर पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ९१ ॥
 रुर पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ९२ ॥ रुर पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ९३ ॥ रुर पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ९४ ॥ रुर पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ९५ ॥
 रुर पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ९६ ॥ रुर पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ९७ ॥ रुर पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ९८ ॥ रुर पञ्चअपपहुपयैरेषयसुदसा ॥ ९९ ॥

[illegible]

[illegible]

॥ ५॥ १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

महामयम्
महामयम्
महामयम्

ॐ। ॥ १॥ ॥ २॥ ॥ ३॥ ॥ ४॥ ॥ ५॥ ॥ ६॥ ॥ ७॥ ॥ ८॥ ॥ ९॥ ॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

三

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

三

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सैन्यानि ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side of the page. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1291

[illegible]

[illegible]

३०। । ५१। ५२। ५३। ५४। ५५। ५६। ५७। ५८। ५९। ६०। ६१। ६२। ६३। ६४। ६५। ६६। ६७। ६८। ६९। ७०। ७१। ७२। ७३। ७४। ७५। ७६। ७७। ७८। ७९। ८०। ८१। ८२। ८३। ८४। ८५। ८६। ८७। ८८। ८९। ९०। ९१। ९२। ९३। ९४। ९५। ९६। ९७। ९८। ९९। १००।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

संस्कृत-विभाग

[illegible]

[illegible]

ཕྱི་ལོ་ལྔ་པ་ལོ་ལྔ་པ་ལོ་ལྔ་པ་

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ईहं लोके दृष्टं न स्यात् । अथ ह्यत्र दृष्टं न स्यात् । अथ ह्यत्र दृष्टं न स्यात् । अथ ह्यत्र दृष्टं न स्यात् ।

वसकुसुमपरारुहसकृषणवदनकठकेरुमुदमपेदेरु।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमः शिवाय । नमः शिवाय । नमः शिवाय ।

[illegible]

ॐ नमः शिवाय ।

[illegible]

१०२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

[illegible][illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥



॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and poor contrast.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ।

Date	Description	Amount	Balance	Total
1890	Jan 1	100.00	100.00	100.00
1891	Feb 1	200.00	300.00	300.00
1892	Mar 1	300.00	600.00	600.00
1893	Apr 1	400.00	1000.00	1000.00
1894	May 1	500.00	1500.00	1500.00
1895	Jun 1	600.00	2100.00	2100.00
1896	Jul 1	700.00	2800.00	2800.00
1897	Aug 1	800.00	3600.00	3600.00
1898	Sep 1	900.00	4500.00	4500.00
1899	Oct 1	1000.00	5500.00	5500.00
1900	Nov 1	1100.00	6600.00	6600.00
1901	Dec 1	1200.00	7800.00	7800.00
1902	Jan 1	1300.00	9100.00	9100.00

॥ अथ श्रीमद्भगवत्पुस्तके श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्णोवाच ॥
अथ श्रीकृष्णोवाच ॥ अथ श्रीकृष्णोवाच ॥ अथ श्रीकृष्णोवाच ॥

1991

विदेवादिभिः कृतं

सुमहेश्वरः श्रीगुरुः श्रीगुरुः श्रीगुरुः

महामयस्य मन्त्र उवाच ॥

[illegible]

འབྲས་རྒྱུ་གི་ལོ་རྒྱུས་

[illegible]

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यो यो भगवत्पदं पश्यति श्रद्धावत् ॥ स भगवत्पदं पश्यति ॥ १ ॥
 यो यो भगवत्पदं पश्यति श्रद्धावत् ॥ स भगवत्पदं पश्यति ॥ २ ॥
 यो यो भगवत्पदं पश्यति श्रद्धावत् ॥ स भगवत्पदं पश्यति ॥ ३ ॥
 यो यो भगवत्पदं पश्यति श्रद्धावत् ॥ स भगवत्पदं पश्यति ॥ ४ ॥
 यो यो भगवत्पदं पश्यति श्रद्धावत् ॥ स भगवत्पदं पश्यति ॥ ५ ॥
 यो यो भगवत्पदं पश्यति श्रद्धावत् ॥ स भगवत्पदं पश्यति ॥ ६ ॥
 यो यो भगवत्पदं पश्यति श्रद्धावत् ॥ स भगवत्पदं पश्यति ॥ ७ ॥
 यो यो भगवत्पदं पश्यति श्रद्धावत् ॥ स भगवत्पदं पश्यति ॥ ८ ॥
 यो यो भगवत्पदं पश्यति श्रद्धावत् ॥ स भगवत्पदं पश्यति ॥ ९ ॥
 यो यो भगवत्पदं पश्यति श्रद्धावत् ॥ स भगवत्पदं पश्यति ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

	४३	॥ ईहं पुनः सुदस्यमवपन्नं यथाप्युपपन्नम् ॥	
--	----	---	--



[illegible]

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

ॐ ॥ अथ ॥ अहो नमो नमो नमो ॥ अहो नमो नमो नमो ॥ अहो नमो नमो नमो ॥ अहो नमो नमो नमो ॥
अहो नमो नमो नमो ॥ अहो नमो नमो नमो ॥ अहो नमो नमो नमो ॥ अहो नमो नमो नमो ॥
अहो नमो नमो नमो ॥ अहो नमो नमो नमो ॥ अहो नमो नमो नमो ॥ अहो नमो नमो नमो ॥
अहो नमो नमो नमो ॥ अहो नमो नमो नमो ॥ अहो नमो नमो नमो ॥ अहो नमो नमो नमो ॥

ॐ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१०॥ देवस्य कुरुतादुष्टं सखपद । २॥ परमस्य पदं रक्षितं पदेन प्रिये ॥

॥ ७७ ॥ देहद्वयपंचकद्वयविप्रबद्धेनैश्वर्यद्वयसुखद्वयद्वयव्यद्वयवपुत्रकथा।

[illegible]

१३
॥ श्री गणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

300

॥ ७७ ॥ । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । कृपयपुत्रेयमदगाठमपरेरदमठसमापरेरपयकेकपरकदमसठदलेपदना । सशुक्लेयमसमपरेदेकसमसठदलेपदना ।
 पविरेरुपगुपमदना । सुदकुपमसपेयगुपमसुदकुपमसपरीशुकेसिद्धिः । सशुक्लेयमसमपरेदेकसमसठदलेपदना ।
 सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः ।
 सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः ।
 सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः ।
 सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः ।
 सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः ।
 सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः । सुअदमपरीशुकेसिद्धिः ।

0021



[illegible]

॥ यद्वाङ्मयं गुरुमुखात् ॥

|मदुक्यसुपयस्यपदेवयो| द्वि

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之四

1290

[illegible]

○

[illegible]

1034

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following section contains extremely faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

। प्रोसमके प्रामाणिके त्रिसप्ततिसुबुद्धमके द्वादशपदके त्रिद्विधे प्रवृत्तवर्गः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबाहो । शूरा मरुतो द्रुपदश्चैव भीमार्जुनसमा । द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबाहो । शूरा मरुतो द्रुपदश्चैव भीमार्जुनसमा ।

[illegible]

॥ ५८ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ५९ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ६० ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ६१ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ६२ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ६३ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ६४ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ६५ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ६६ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ६७ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ६८ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ६९ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ७० ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ७१ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ७२ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ७३ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥

॥ ७४ ॥ अथ विष्णु उवाच ॥



॥ सुविप्रस्य सुविप्रस्य ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ हे शंभु मधु पदार्थ मधु मधु ॥

14/5/2014

[illegible][illegible]

इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

सुखमयः सुखमयः सुखमयः

1944

संस्कृत-विभाग

महाराष्ट्र

५३१४४०७२६८९०१

॥ ददयेत्तु भगवन् ॥ शुभम् ॥

1997

1999

Abstract

[illegible]

1947-1948

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

同治庚午年

[illegible]

[illegible]

[illegible]

213

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

125

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and largely illegible. It appears to contain several lines of Sanskrit script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

२५३ वाचस्पति उवाच - अथ भूतानां कृत्स्नं विवक्ष्यते । तदा ब्रूयतामः ।

|| ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुदेवे नमः ॥ श्रीगुरुदेवे नमः ॥ श्रीगुरुदेवे नमः ॥

|| ॥

॥ ॥



[illegible]

५॥
६॥
७॥

॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥
॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥
॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥
॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥ अथ येनैव नमः ॥

[illegible]

[illegible]

१९३३।

॥ अथ ॥

विष्णु उवाच ॥

वदस्व मे सुत ॥

विष्णु उवाच ॥ त्वं मे वदस्व सुत ॥

विष्णु उवाच ॥

वदस्व मे सुत ॥

विष्णु उवाच ॥ त्वं मे वदस्व सुत ॥

विष्णु उवाच ॥ त्वं मे वदस्व सुत ॥

विष्णु उवाच ॥ त्वं मे वदस्व सुत ॥

विष्णु उवाच ॥ त्वं मे वदस्व सुत ॥

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो नमस्कृत्य ॥ तून्मामकांस्तथापां ॥ सौमेधिविराट्शत्रुवन्द्य ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ कथा ॥
 ॥ अथ कथा ॥
 ॥ अथ कथा ॥

134

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

047

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

0000

[illegible]

159

पुष्पकपुष्पक

॥ अथ चण्डिका स्तोत्रम् ॥

सप्तमः अध्यायः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

पुस्तकालय विपरीत प्रमाणित।

एतदस्य कर्तव्यं यथा कर्तव्यं भवति ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

अथैवमिदं प्रमाणं ।

दण्डमर्त्यं दण्डमुपैव विप्रसृज्य प्रोक्तं मुनिना यथा

॥ ३५० ॥ ३५० ॥ ३५० ॥ ३५० ॥ ३५० ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अथैवमप्युक्तं त्रैलोक्ये नैव भवति

सुदृढप्र-विभक्त्यैर्लोक-प्राप्तयेऽवशक्यातिरिच

संस्कृत-विश्वकोषः

2017

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।

|| ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ||

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十、二十一、二十二、二十三、二十四、二十五、二十六、二十七、二十八、二十九、三十、三十一、三十二、三十三、三十四、三十五、三十六、三十七、三十八、三十九、四十、四十一、四十二、四十三、四十四、四十五、四十六、四十七、四十八、四十九、五十、五十一、五十二、五十三、五十四、五十五、五十六、五十七、五十八、五十九、六十、六十一、六十二、六十三、六十四、六十五、六十六、六十七、六十八、六十九、七十、七十一、七十二、七十三、七十四、七十五、七十六、七十七、七十八、七十九、八十、八十一、八十二、八十三、八十四、八十五、八十六、八十七、八十八、八十九、九十、九十一、九十二、九十三、九十四、九十五、九十六、九十七、九十八、九十九、一百。

दशवीति त्रिंशत् पञ्चैकमुद्रायाः समस्तानामुद्राणां

15342 9454-6

Page 10

卷之五

आचार्यजी के अग्रजों के

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १८ ॥

॥ ३७ ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

99

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

[illegible]

॥ अथ मन्त्रः ॥

देवदत्तगुप्तदेवप्रियवर्मा

|मन्त्रकुन्दमुपसृज्य श्रुत्वा बहुवर्षे वैश्वम् ।

॥ मङ्गलमस्तु ॥ ॥ मङ्गलमस्तु ॥

104



22
53

। अथ यत्किञ्चिदुच्यते तत्तद्विषयं यत्तद्विषयं यत्तद्विषयं ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । दमस्तुतुः । त्रिपुरासुरपदं दमस्तुतुः । दमस्तुतुः । त्रिपुरासुरपदं दमस्तुतुः ।
दमस्तुतुः । त्रिपुरासुरपदं दमस्तुतुः । दमस्तुतुः । त्रिपुरासुरपदं दमस्तुतुः ।
दमस्तुतुः । त्रिपुरासुरपदं दमस्तुतुः । दमस्तुतुः । त्रिपुरासुरपदं दमस्तुतुः ।
दमस्तुतुः । त्रिपुरासुरपदं दमस्तुतुः । दमस्तुतुः । त्रिपुरासुरपदं दमस्तुतुः ।

卷之六

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

卷之四



सुप्रसन्नः

विष्णुसहस्रनाम

1177

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

CD-1

[illegible]

卷之六

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

	ॐ	पद्मभूतिगुरुण्यदेहोपायमलेखमुपपलुष्य ॥	
--	---	---------------------------------------	--

सुखदामोदर

999

ॐ नमः

यदस्मिन्मूर्धन्येन सप्तमं चतुर्थं च ॥

॥ अथोपनिषद्सूक्तम् ॥

सुखी

पञ्चमः अक्षरः यः द्वावृत्तः

[illegible]

॥ यथा यथा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

पञ्चदशसुखद्वयस्य सारं दत्तमस्मिन् पद्ये ॥ पञ्चदशसुखद्वयस्य सारं दत्तमस्मिन् पद्ये ॥ पञ्चदशसुखद्वयस्य सारं दत्तमस्मिन् पद्ये ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१७५३

[illegible]

७७। दसदसकुमुदसगोदसईदस। धुमोदसदेष्टुदसगमुययैस। पशुष्टुअगमुययसकुयसवेदसवहससकरी। देरेदसदगठगतीरेदस
 ७८। ॐवणीपुममककुणीसेयकेसईद। वरपशेवेष्टुयसईदससुममईद। गलेससुष्टुदसुपससुष्टुदेकसुपसईद। पससयईपलेददेदसपरेप
 ७९। वरसईदसपदुपसईदससमंशेकुपससईद। येनसेयपकुसुष्टुदेष्टुयसईदससुष्टुय। दशपसगसयसदेककुदुदससुष्टु। वीयसुसकुष्टुदसवपशेदसई
 ८०। दशकुदससगदशपसुगसयपेगसुपदेयज्ञेन। पशपकेदसुदसपशककुयससुष्टुय। केरेदसदवेदसदेदसपरेदेकसससुष्टुय। रीपदेकदशपुष्टु
 ८१। दसदयोष्टेदकुमससुष्टु। शुदपेगपुष्टुससककुससुष्टुवहसससुष्टुय। सुदसपेगुसावससुष्टुयदेत्यकेवसईद। सुसददशेयससईदसुसयसईदस।
 ८२। वसकेयससससुष्टुपरेकुवेपदगदेवदश। धुकेवसदगवेदहससससुष्टुपुष्टु। वससससुष्टुपरेदसससवदसुगसुष्टुय। शुदसवेससुष्टुवेदसससवदेदस।

[illegible]

१७७३ ई. ५४

| दयेवं अदुअरवेदमवे सु३.....

॥ गद्यार्थेनैव सुखं यत्तु यत्तु ॥

www.bentley.com

॥ देवदत्तगणपतमर्कमुद्रांशुः ॥

॥ परमाहं दत्तं दयं रं दण्यं सत्तु मत्तु यमम् ॥

	७७।	शुद्धवेष्टुद्वयसलीक्यपेयसक्यस्यपुत्रेष्टुममलुग्य।	
--	-----	---	--

श्री ५३३

[illegible]

卷之四

999

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1944年12月1日

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

॥

[illegible]

[illegible]

五

四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्रीगणेशाय नमः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुखदुःखद्वयं च भवति

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

अथवा

4

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

—ཡུལ་འཕུལ་པ་ལྟར་ལྟོ་ལྟོ་ཁྱེད་ཀྱི་ལྟོ་ལྟོ་།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुदहरीष्टा । रदरदxxxx । व्यैकुपयस्युपयुष्टीय । समदणस्युपयुष्टीय । महणम* । पणय* । सुदहरीष्टा । रदरदxxxx । व्यैकुपयस्युपयुष्टीय ।
 व्यैकुपयस्युपयुष्टीय । समदणस्युपयुष्टीय । महणम* । पणय* । सुदहरीष्टा । रदरदxxxx । व्यैकुपयस्युपयुष्टीय । समदणस्युपयुष्टीय । महणम* । पणय* ।
 व्यैकुपयस्युपयुष्टीय । समदणस्युपयुष्टीय । महणम* । पणय* । सुदहरीष्टा । रदरदxxxx । व्यैकुपयस्युपयुष्टीय । समदणस्युपयुष्टीय । महणम* । पणय* ।
 व्यैकुपयस्युपयुष्टीय । समदणस्युपयुष्टीय । महणम* । पणय* । सुदहरीष्टा । रदरदxxxx । व्यैकुपयस्युपयुष्टीय । समदणस्युपयुष्टीय । महणम* । पणय* ।
 सुदहरीष्टा । रदरदxxxx । व्यैकुपयस्युपयुष्टीय । समदणस्युपयुष्टीय । महणम* । पणय* । सुदहरीष्टा । रदरदxxxx । व्यैकुपयस्युपयुष्टीय । समदणस्युपयुष्टीय । महणम* । पणय* ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

ॐ
विद्य
विद्य
विद्य
विद्य
विद्य
विद्य
विद्य

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥३५॥
 गङ्गासङ्ग
 मधुसूत
 गङ्गासङ्ग
 मधुसूत
 गङ्गासङ्ग
 मधुसूत

यस्य।

॥ कस्य ॥
॥ श्रेय ॥

[illegible]

५। प्रेक्ष्य
हृदये
स्य स
रेदद
उदये

॥ सुप्रसन्न
 मंदमस्तु
 सग्रेवश
 प्रदय
 सुप्रदय
 सुप्रदय

महेश्वर
दुष्कृत
सत्य
धर्म
पद
सत्य

ལྟར་ཡང་
མཁུ་གསལ་
།
དཔེ།
མས།
།

॥ १ ॥

[illegible]

सा ।
१।
सदगुरु
मुक्तेश्वर
विप्रश्न
वत्पत्र

१५५
मदमम
मदमम
मदमम
मदमम
मदमम
मदमम
मदमम

समुदाय
मन्दरा
मन्दरा
मन्दरा
मन्दरा
मन्दरा
मन्दरा
मन्दरा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ལྷན་སྐྱོད་

॥ यथा ॥
॥ अथ ॥
॥ इति ॥

वस्ययम्।
दठिष
य्यदस
स्वस्व
द्वि
वकदठ

523

527

पञ्चमः अथ भूतलक्षणम्

[illegible]

124

[illegible]

संस्कृत-संज्ञा

999

सुमनस्य चन्द्रप्रभासः

༡༥༥༠ བསྐྱེད་པའི་མཁའ་ལྷ་སྟོན།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥३॥

सप्तम्युक्त्याऽपि यथावच्छिन्नं भवति ।

|கவியரசு நாராயண பாரதியார்|

མཐུན་པུ་ལྷོ་ལྷོ་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

1525-4040

सुप्रसन्नप्रदः।

५८॥

[illegible]

10



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

॥ ७५ ॥ असह्येगुर्वह्मद्वयेपय्युतेतुमुमद्वयसुव्ययीवर्मेलेभपुपयसुवय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

मन्त्रः

कवचा

गुणस्तुत्याप्यर्चयेत्कवचा

। इति श्रीमद्भगवद्गीतायां

श्रीकृष्णार्जुनसंवादे

अष्टमोऽध्यायः

सप्तमः स्कन्धः

। अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

अहं भवामि कृष्णः कृष्णोऽहम्

। अहं भवामि कृष्णः कृष्णोऽहम्

। अहं भवामि कृष्णः कृष्णोऽहम्

। अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

अहं भवामि कृष्णः कृष्णोऽहम्

। अहं भवामि कृष्णः कृष्णोऽहम्

। अहं भवामि कृष्णः कृष्णोऽहम्

। अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

अहं भवामि कृष्णः कृष्णोऽहम्

। अहं भवामि कृष्णः कृष्णोऽहम्

। अहं भवामि कृष्णः कृष्णोऽहम्

[illegible]

ॐ। श्रीदयात्रेयेन्दना। सुरध्वजपुष्पगङ्गाशयेन्दना। देवगुरुदत्तमर्ककठयि। देवीश्रीदयामयमया। तेषामेषुकेन्दगामयेन्दना।
 पुष्पगङ्गाशयेन्दना। पद्महोयुकेन्दना। अमर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। अमर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। अमर्कगुरुदत्तमर्ककठयि।
 ददयदमपमहमदमगदयके। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि।
 पदकेन्दना। शिवमर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि।
 मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि।
 मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि।
 मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि। मर्कगुरुदत्तमर्ककठयि।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥
 बभूवुः पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

No. 10

[illegible]

999

॥१॥

၁၅၂၀ ခုနှစ်တွင် ပထမဆုံး ပြုပြင်ဆင်ခြင်မှုများ ပြုလုပ်ခဲ့သည်။

॥ द्दस्य प्रपद्यतस्य भक्त्युपपन्नं प्रपद्यतस्य भक्त्युपपन्नं ॥

॥ इति कर्मसुखमार्गः ॥

주제 선정 단계

पञ्चमः अथ भक्त्युत्पत्तिः

[Faint handwritten text at the bottom of the page]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ཡེ་ཤི་གཞུ་གཡོད་པར་ལག་རྒྱུ་མཆོད་པུ་བ་ཤུད་གཏོ་མཆོད་པ།

三十三卷

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

འདྲམ་འཛུགས་ཀྱི་ལོ་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

991

མཐུ་ཤུལ་འཛིན་པའི་ལུ་ཤི་ལོ་

सुखं भावयति सुखाद्वैराग्यं भावयति

ཡོད་པ། རྒྱུ་རྩེས་ལ་རུ་རྒྱུ་རུ་རྒྱུ་

५३५५

पुस्तकालय संख्या: १२३४५६७८९०

[illegible]

॥ वैद्यनाथाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ कथं च पुनरुत्पत्तिरिति चेत् ॥

100

Alfred Russel Wallace

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ཁོ་རྒྱུ་བཅའ་མཐོང་གི་ལུང་པེད།

1577-1578-1579-1580-1581-1582-1583-1584-1585-1586-1587-1588-1589-1590-1591-1592-1593-1594-1595-1596-1597-1598-1599-1600-1601-1602-1603-1604-1605-1606-1607-1608-1609-1610-1611-1612-1613-1614-1615-1616-1617-1618-1619-1620-1621-1622-1623-1624-1625-1626-1627-1628-1629-1630-1631-1632-1633-1634-1635-1636-1637-1638-1639-1640-1641-1642-1643-1644-1645-1646-1647-1648-1649-1650-1651-1652-1653-1654-1655-1656-1657-1658-1659-1660-1661-1662-1663-1664-1665-1666-1667-1668-1669-1670-1671-1672-1673-1674-1675-1676-1677-1678-1679-1680-1681-1682-1683-1684-1685-1686-1687-1688-1689-1690-1691-1692-1693-1694-1695-1696-1697-1698-1699-1700-1701-1702-1703-1704-1705-1706-1707-1708-1709-1710-1711-1712-1713-1714-1715-1716-1717-1718-1719-1720-1721-1722-1723-1724-1725-1726-1727-1728-1729-1730-1731-1732-1733-1734-1735-1736-1737-1738-1739-1740-1741-1742-1743-1744-1745-1746-1747-1748-1749-1750-1751-1752-1753-1754-1755-1756-1757-1758-1759-1760-1761-1762-1763-1764-1765-1766-1767-1768-1769-1770-1771-1772-1773-1774-1775-1776-1777-1778-1779-1780-1781-1782-1783-1784-1785-1786-1787-1788-1789-1790-1791-1792-1793-1794-1795-1796-1797-1798-1799-1800-1801-1802-1803-1804-1805-1806-1807-1808-1809-1810-1811-1812-1813-1814-1815-1816-1817-1818-1819-1820-1821-1822-1823-1824-1825-1826-1827-1828-1829-1830-1831-1832-1833-1834-1835-1836-1837-1838-1839-1840-1841-1842-1843-1844-1845-1846-1847-1848-1849-1850-1851-1852-1853-1854-1855-1856-1857-1858-1859-1860-1861-1862-1863-1864-1865-1866-1867-1868-1869-1870-1871-1872-1873-1874-1875-1876-1877-1878-1879-1880-1881-1882-1883-1884-1885-1886-1887-1888-1889-1890-1891-1892-1893-1894-1895-1896-1897-1898-1899-1900-1901-1902-1903-1904-1905-1906-1907-1908-1909-1910-1911-1912-1913-1914-1915-1916-1917-1918-1919-1920-1921-1922-1923-1924-1925-1926-1927-1928-1929-1930-1931-1932-1933-1934-1935-1936-1937-1938-1939-1940-1941-1942-1943-1944-1945-1946-1947-1948-1949-1950-1951-1952-1953-1954-1955-1956-1957-1958-1959-1960-1961-1962-1963-1964-1965-1966-1967-1968-1969-1970-1971-1972-1973-1974-1975-1976-1977-1978-1979-1980-1981-1982-1983-1984-1985-1986-1987-1988-1989-1990-1991-1992-1993-1994-1995-1996-1997-1998-1999-2000-2001-2002-2003-2004-2005-2006-2007-2008-2009-2010-2011-2012-2013-2014-2015-2016-2017-2018-2019-2020-2021-2022-2023-2024-2025-2026-2027-2028-2029-2030-2031-2032-2033-2034-2035-2036-2037-2038-2039-2040-2041-2042-2043-2044-2045-2046-2047-2048-2049-2050-2051-2052-2053-2054-2055-2056-2057-2058-2059-2060-2061-2062-2063-2064-2065-2066-2067-2068-2069-2070-2071-2072-2073-2074-2075-2076-2077-2078-2079-2080-2081-2082-2083-2084-2085-2086-2087-2088-2089-2090-2091-2092-2093-2094-2095-2096-2097-2098-2099-2100-2101-2102-2103-2104-2105-2106-2107-2108-2109-2110-2111-2112-2113-2114-2115-2116-2117-2118-2119-2120-2121-2122-2123-2124-2125-2126-2127-2128-2129-2130-2131-2132-2133-2134-2135-2136-2137-2138-2139-2140-2141-2142-2143-2144-2145-2146-2147-2148-2149-2150-2151-2152-2153-2154-2155-2156-2157-2158-2159-2160-2161-2162-2163-2164-2165-2166-2167-2168-2169-2170-2171-2172-2173-2174-2175-2176-2177-2178-2179-2180-2181-2182-2183-2184-2185-2186-2187-2188-2189-2190-2191-2192-2193-2194-2195-2196-2197-2198-2199-2200-2201-2202-2203-2204-2205-2206-2207-2208-2209-2210-2211-2212-2213-2214-2215-2216-2217-2218-2219-2220-2221-2222-2223-2224-2225-2226-2227-2228-2229-2230-2231-2232-2233-2234-2235-2236-2237-2238-2239-2240-2241-2242-2243-2244-2245-2246-2247-2248-2249-2250-2251-2252-2253-2254-2255-2256-2257-2258-2259-2260-2261-2262-2263-2264-2265-2266-2267-2268-2269-2270-2271-2272-2273-2274-2275-2276-2277-2278-2279-2280-2281-2282-2283-2284-2285-2286-2287-2288-2289-2290-2291-2292-2293-2294-2295-2296-2297-2298-2299-2300-2301-2302-2303-2304-2305-2306-2307-2308-2309-2310-2311-2312-2313-2314-2315-2316-2317-2318-2319-2320-2321-2322-2323-2324-2325-2326-2327-2328-2329-2330-2331-2332-2333-2334-2335-2336-2337-2338-2339-2340-2341-2342-2343-2344-2345-2346-2347-2348-2349-2350-2351-2352-2353-2354-2355-2356-2357-2358-2359-2360-2361-2362-2363-2364-2365-2366-2367-2368-2369-2370-2371-2372-2373-2374-2375-2376-2377-2378-2379-2380-2381-2382-2383-2384-2385-2386-2387-2388-2389-2390-2391-2392-2393-2394-2395

॥ सुदृढमसिद्धं सगर्भम् ॥ १२५ ॥

॥ॐ नमः शिवाय ॥

11 02 14 504

[illegible]

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

上卷

2991

॥ सुदुर्लभं यत्सर्वम् ॥

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥

सुखसकृदिदमेकमुपायमयदमदम

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ मधुदत्तं पञ्चदशद्वन्द्वं कृष्णं ॥

॥ सुखदयत्रयदुःखदयत्रयसुखदयत्रयदुःखदयत्रय ॥

[illegible]

॥ त्रिदशरूपसंख्यसुखमयवददकदस्यमहा ॥ वि

॥ पञ्चमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

रिषदपरमं ययस्यमपदं दं कं न स्युः ।

[illegible]

३५५	ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	॥ १ ॥
-----	-----------------------	-------

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१७७। ५७५
 १७८।
 १७९।
 १८०।
 १८१।
 १८२।
 १८३।
 १८४।
 १८५।
 १८६।
 १८७।
 १८८।
 १८९।
 १९०।
 १९१।
 १९२।
 १९३।
 १९४।
 १९५।
 १९६।
 १९७।
 १९८।
 १९९।
 २००।

[illegible]

ॐ	ॐ ह्रीं क्लीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥	॥
----------	--	----------

QUESTIONS

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन्ति मामासीत । त्वमेकाग्रचित्तो मन्यते ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Devanagari, enclosed within a rectangular border. The text is arranged in four lines and appears to be a formal declaration or record. The script is cursive and somewhat faded, characteristic of older handwritten documents. The first line begins with a small symbol, possibly a religious or institutional emblem. The text is written in dark ink on aged, slightly discolored paper.